मत भूलो श्री श्याम नाम को ....

(तर्ज–क्या मिलिए ऐसे लोगों से ...)

मत भूलो श्री श्याम नाम को, जाना सागर पार है।
जीवन है छोटी–सी नैया, श्याम नाम पतवार है।। टेर।।

लेकर प्रभु का नाम जगत में, कितनों ने भव पार किया।
श्याम नाम की ज्योति ने कितने, जीवन को गुलज़ार किया।
स्वार्थ की दुनियाँ में अपना, ये सच्चा आधार है।
जीवन है छोटी सी नैया ....

श्याम नाम के भजने का तो, कोई निश्चित काल नहीं।
जब भी मौका मिले सुमर ले, प्रभु–सा दीन दयाल नहीं।
प्रभु से ज्यादा प्रभु के नाम में, शक्ति की भरमार है।
जीवन है छोटी–सी नैया .....

जीवन–नैया सौंप प्रभु को, तुम प्यारे अलमस्त बनो।
शरणागत की हर पल रक्षा, करते बाबा श्याम सुनो।
भक्तों ! अब किस बात का डरना, रक्षक जब सरकार है।
जीवन है छोटी सी नैया .....

करत–करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रस्सी आवत जात ने, सिल पर परत निसान।।